खण्ड-11, अंक-1, वर्ष-2023, मु0प्र0 127-129
D.O.I.: https://doi.org/10.22445/avsp.v11i1.19
SJIF (2023) : 8.124

Shri Anna: Medium of overall development

Deepak Kohli
5/104A, Vipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226 010, U.P., India
deepakkohli64@yahoo.in

Received: 20-06-2023, Accepted: 06-10-2023

Abstract- In the global market, coarse grains are known as Shri Anna in India due to their nutritional richness. Millets is a super food. Coarse grains grown in India include pearl millet, jowar, finger millet and minor millets like proso millet, kodo millet, small millet, Kangni millet, browntop millet, barnyard millet, chaulai and buckwheat, (millet, ragi, buckwheat, buckwheat, Cheena, Sanwa, Kodo) etc. The year 2023 has been declared the International Year of Millets. India is the largest producer of millets i.e. Sri Anna. Today, India has the potential to lead the world as a major country in the global supply chain of millets and its value-added products. In this sequence, the Central Government has entrusted the responsibility to the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED) to contribute and promote the 'International Nutritious Grains Year-2023' at the global level. We have to become the leader in production, consumption and export of coarse grains.

Key Words- Shri Anna, coarse grains, global market, pearl millet, jowar, finger millet and proso millet .

श्रीअन्नः समग्र विकास का माध्यम

दीपक कोहली
5/104ए, विपुलखंड, गोमती नगर, लखनऊ–226 010, उ0प्र0, भारत
deepakkohli64@yahoo.in

सार– वैश्विक बाजार में मोटा अनाज पौष्टिक रूप से समृद्ध होने के कारण भारत में श्री अन्न के नाम से जाना जाता है। मोटा अनाज या श्री अन्न (मिलेट्स) एक सुपर फूड है। भारत में उगाए जाने वाले मोटे अनाजों में पर्ल मिलेट, ज्वार, फिंगर मिलेट और प्रोसो मिलेट, कोदो मिलेट, छोटा मिलेट, कंगनी मिलेट, ब्राउनटॉप मिलेट, बार्नयार्ड मिलेट, चौलाई और बकवीट जैसे गौण मोटे अनाज, (बाजरा, रागी, कुट्टु, काकुन, चीना, सांवा, कोदो) आदि शामिल हैं। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। भारत मोटे अनाजों यानि श्रीअन्न का सबसे बड़ा उत्पादक है।आज भारत के पास मोटे अनाजों और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख देश के रूप में विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता है। इसी क्रम में केन्द्र सरकार ने वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष–2023' में योगदान और इसे बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) को जिम्मा सौंपा है। हमें मोटे अनाज के उत्पादन, उपभोग और निर्यात में अग्रणी बनना होगा।

बीज शब्द– श्री अन्न, मोटा अनाज , वैश्विक बाजार, पर्ल मिलेट, ज्वार, फिंगर मिलेट और प्रोसो मिलेट ।

1. **परिचय–** मोटा अनाज या श्री अन्न या मिलेट्स हमारे लिए नया नहीं है। देश में प्राचीन काल से ही मोटे अनाज का चलन रहा है। रागी, ज्वार, बाजरा, सांवा, कंगनी, कोदो, कुटकी, कट्टु आदि अनाज से हमारे भोजन की थाली सजती रही, लेकिन इन पोषक अनाज को गरीबों का आहार बताकर अचानक हमारी थाली से गायब कर दिया गया। जबकि इन अनाजों में भरपूर पोषक तत्व हैं। हमने मोटे अनाज को श्रीअन्न के तौर पर महत्व दिया है। मिलेट एक सुपर फूड है। अब केंद्र सरकार ने मोटे अनाज के उपयोग, उत्पादन और निर्यात के लिए पहल की है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। ऐसे में वर्ष के प्रारम्भ से ही मिलेट्स, जिसे हम मोटे अनाज के रूप में जानते हैं उसे देश के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और स्वीकृति के लिए तरह–तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हाल ही में पीएम मोदी ने ग्लोबल मिलेट्स सम्मेलन का उद्घाटन किया। उस कार्यक्रम में विशेष बात ये रही कि मिलेट्स जिसे भारत में हम अब तक मोटे अनाज के रूप में जानते रहे हैं, उसकी ब्रांडिंग के लिए अब उसे श्री अन्न का नाम दिया गया है। हमारे यहां किसी के आगे

'श्री' ऐसे ही नहीं जुड़ता है और जहां श्री होती है, वहां समृद्धि भी होती है, और समग्रता भी होती है। अब श्री अन्न भी भारत में समग्र विकास का एक माध्यम बन रहा है। इसमें गांव भी जुड़ा है, गरीब भी जुड़ा है। श्री अन्न अनेक प्रकार से लाभदायक हैं, श्री अन्न यानि देश के छोटे किसानों की समृद्धि का द्वार, श्री अन्न यानि देश के करोड़ों लोगों के पोषण का कर्णधार, श्री अन्न यानि देश के आदिवासी समाज का सत्कार, श्री अन्न यानि कम पानी में ज्यादा फसल की पैदावार, श्री अन्न यानि केमिकल मुक्त खेती का बड़ा आधार, श्री अन्न यानि क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने में मददगार।

2. **भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक–** भारत मोटे अनाजों अर्थात श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश आदि जैसे प्रमुख मोटा अनाज उगाने वाले राज्यों में उत्पादित मोटे अनाजों की एक व्यापक श्रृंखला से देश समृद्ध है। भारत ने 17.96 मिलियन मीट्रिक टन मोटे अनाजों का उत्पादन किया। भारत में उगाए जाने वाले मोटे अनाजों में पर्ल मिलेट, ज्वार, फिंगर मिलेट और प्रोसोमिलेट, कोदो मिलेट, छोटा मिलेट, कंगनी मिलेट, ब्राउनटॉप मिलेट, बार्नयार्ड मिलेट, चौलाई और बकवीट जैसे गौण मोटे अनाज, (बाजरा, रागी, कुट्टु, काकुन, चीना, सांवा, कोदो) आदि शामिल हैं[1]। भारत सरकार भी अपने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के हिस्से के रूप में मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। इन कारकों के परिणामस्वरूप, आगामी वर्षों में भारत में मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

3. **श्री अन्न का निर्यात–** वर्ष 2021–22 में भारत का मोटे अनाजों का निर्यात 64 मिलियन डॉलर है। अप्रैल–दिसंबर 2023 की अवधि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मोटे अनाजों के निर्यात में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मोटे अनाजों के निर्यात में पिछले दशक में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। 2011–12 में प्रमुख आयातक देश अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, बेल्जियम आदि थे, जिनकी जगह 2021–22 में नेपाल (6.09 मिलियन डॉलर), संयुक्त अरब अमीरात (4.84 मिलियन डॉलर) और सऊदी अरब (3.84 मिलियन डॉलर) ने ले ली थी। केन्या, पाकिस्तान भी पिछले एक दशक में भारत के संभावित आयातगंतव्यों में शामिल थे। भारत के मोटे अनाजों के निर्यात की वर्तमान शीर्ष दस की सूची में अन्य सात गंतव्य देश लीबिया, ट्यूनीशिया, मोरक्को, ब्रिटेन, यमन, ओमान और अल्जीरिया हैं। भारत विश्व भरके 139 देशों को मोटे अनाज निर्यात कर रहा है। भारतीय मोटे अनाजों के मूल्य वर्धित उत्पादों कानिर्यात भी विश्व भर में विस्तारित है।

4. **श्री अन्न के लिए बजट में भी प्रावधान–** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2023–24 का बजट पेश करते हुए कहा कि भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। ऐसे में भारत को श्री अन्न का एक वैश्विक केंद्र बनाने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान हैदराबाद को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि बाजरा को लोकप्रिय बनाने में भारत सबसे आगे है। इसके उपभोग से खाद्य सुरक्षा और किसानों की स्थिति में सुधार होता है। इसको बड़े स्तर पर लोगों के बीच प्रचारित और प्रसारित करने की योजना है।

5. **श्री अन्न का बढ़ रहा बाजार–** 'इंटरनेशनल मिलेट इयर' से मोटे अनाज उद्योग पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससेवैश्विक बाजार में इसकी वृद्धि और विकास को और बढ़ावा मिलेगा। आज भारत के पास मोटे अनाजों और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख देश के रूप में विश्व कानेतृत्व करने की क्षमता है। देश के कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के साथ अग्रिम मोर्चे पर स्थित एपीडाग्रीकल्चर प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इन अनूठे उत्पादों को पोषक मोटे अनाज के बास्केट से चुना है और इन्हें वैश्विक पोषक अनाज क्रांति लाने के लक्ष्य के साथ वैश्विक बाजार में प्रदर्शित किया है। एपीडा ने एफएओ द्वारा रोम, इटली में अपने मुख्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और मोटे अनाजों की विभिन्न प्रकार और मूल्य वर्धित मोटे अनाज उत्पादो को प्रदर्शित किया। एपीडा ने जकार्ता, मेदान, नेपाल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में मोटे अनाजों के निर्यात कोबढ़ावा देने के लिए एक क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, मलेशिया, ईयू.यूएई, मलेशिया, जापान और अल्जीरिया के साथ वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया। एपीडा ने वैश्विक पहुंच को व्यापक बनाने के लिए भारी प्रयासों के साथ 2025 तक 100 मिलियन डॉलर के लक्ष्य को अर्जित करने के लिए मोटे अनाज और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों के साथ वैश्विक बास्केट को विस्तारित करने के लिए एक मजबूत कार्यनीति बनाई है। भारत पौष्टिक रूप से समृद्ध भारतीय मोटे अनाजों के एक बास्केट जिसे वैश्विक बाजार में श्री अन्न के नाम से जाना जाता है, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 में आगे बढ़ रहा है।

6. **भारत में बदल रहा श्री अन्न का स्वरूप–** रेडी टू इट, रेडी टू कुक और रेडी टू सर्व उत्पाद सभी आयु समूहों के लिए उपयुक्त पौष्टिक भोजन के रूप में सरल भोजन समाधान की एक सीरीज तैयार करने के लिए 200 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा भारत मोटे अनाजों के वैल्यू एडेड उत्पादों की अद्वितीय किस्मों से समृद्ध है, जिसमें मिलेट पिज्जा बेस, मिलेट आइसक्रीम, आइसक्रीम कोन और कप, मिलेट केक और ब्राउनी, नाश्ते से संबंधित अनाज, पारंपरिक भारतीय डोसा, पोहा, उपमा, पास्ता, नूडल्स मिलेट मिल्क, चाय, खाने योग्य मिलेट चाय के कप जो पर्यावरण के इतने अनुकूल हैं कि उन्हें या तो सीधे खाया जा सकता है या आहार चारे के रूप में उपयोग किया जा सकता है।[2]

7. **श्री अन्न के वैल्यू ऐडेड उत्पाद उत्पादों की बढ़ रही मांग–** इडली, डोसा, इडियप्पम, रोटी, पुट्टू, उपमा, दलिया, चपाती, पैनकेक, वर्मिसेली उपमा, पास्ता, नूडल्स,मैक्रोनी, सूजीध्सूजी, मूसली, इंस्टेंट मिक्स नाश्ते की सामग्री के रूप में मुड्डे, हलवा, अधिरसम, केसरी, पौष्टिक गेंद, मिठाई के रूप में पायसम, खीर, वड़ा, पकौड़ा, मुरुक्कू, भेलपुरी, बोली, पापड़, रेडी टू ईटमिक्स, फ्लेक्स, पफ, बाजरे के लड्डू, मोटे अनाज के रस्क स्नैक्स के रूप में और कुछ बेकरी उत्पाद जैसे ब्रेड, केक, कुकीज, सूप स्टिक, खाद्य बिस्किट कप, हेल्थ बार, स्प्रेड, मफिन आदि जैसे मोटे अनाज के साथ बहुत सारे वैल्यू ऐडेड उत्पाद बनाए गए हैं। बीयर, सूप, माल्टेड बाजरा आधारित पेय, अंकुरित रागी ड्रिंक मिक्स, मल्टीग्रेन ड्रिंक मिक्स, रेडी टू ड्रिंक पेय जैसे पेय पदार्थ मोटे अनाजों के साथ भी बनाये गये हैं। इनके अतिरिक्त, मोटे अनाजों से बने कुछ अन्य खाद्य पदार्थों में बिरयानी, वीनिंग फूड शिशु आहार, चाट मिक्स आदि शामिल हैं।[3]

8. **श्री अन्न की बाजार पर धाक–** जिस तरह से देश में मोटे अनाजों की मांग बढ़ी है साथ ही स्टार्टअप्स से हर आयु वर्ग को ध्यान में रखते हुए वैल्यू एड प्रोडक्ट बना रही है, उससे आने वाले दिनों में मोटे अनाज का बाजार और बढ़ने वाला है। साथ ही मोटे अनाजों के प्रचार–प्रसार की यात्रा ने मोटे अनाजों के निर्यात में तेजी प्रदर्शित करते हुए सकारात्मक प्रभाव डाला है। भारत को मोटे अनाजों के प्रमुख उत्पादक से अग्रणी निर्यातकदेश के रूप में ले जाने, देश भर में लाखों भारतीय किसानों के लिए एक समृद्ध भविष्य की दिशा में योगदान देने और खाद्य तथा पोषण संबंधी सुरक्षा अर्जित करने के लिए मूल्यवान योगदान देने की पूरी तैयारी की जा रही है। भारतीय मोटे अनाजों के गुणों को वैश्विक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए यात्रा अभी आरंभ हुई है।

9. **मिलेट मिशन की बढ़ती गति–** भारत के मिलेट मिशन को अब और तेज गति देने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) आगे आया है। जी हां, केन्द्र सरकार के मोटे अनाज यानि मिलेट्स को घर–घर तक पहुंचाने का अभियान अब और भी व्यापक होनेवाला है। दरअसल, सरकार चाहती है कि मोटे अनाज से बने व्यंजन पुनः सबकी थाली तक पहुंचे और भारत मोटे अनाजों का सबसे बड़ा निर्यातक और उत्पादक बने। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी और सभी को पौष्टिकता से परिपूर्ण आहार भी मिल सकेगा।

10. **कृषि मंत्रालय और नेफेड के बीच हुआ समझौता–** इसी क्रम में केन्द्र सरकार ने वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष–2023' में योगदान और इसे बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) को प्रभार सौंपा है। इस संबंध में कृषि मंत्रालय और नेफेड के बीच एक समझौता हुआ है। इस संबंध में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने वैश्विक स्तर पर 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ द मिलेट' 2023 में योगदान देने और इसे बढ़ावा देने के लिए अपने नोडल संगठन, नेफेड को निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री के मार्गदर्शन में, नेफेड ने मिलेट्स सेजुड़ी पहलों और प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

11. **भारत की ताकत दिखाने का उपयुक्त समय–** उल्लेखनीय है कि भारत की अध्यक्षता में जी 20 सम्मेलन और 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ द मिलेट' का आयोजन एक साथ हो रहा है जो खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्र में भारत की ताकत दिखाने का एक उपयुक्त समय प्रदान करता है, जिसमें मिलेट्स बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसे समझते हुए ही भारत सरकार मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है। मिलेट्स को लोकप्रिय बनाने के लिए और इंटरनेशनल ईयर ऑफ द मिलेट 2023 को एक बड़ी सफलता दिलाने के लिए, सभी अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय आयोजनों में मिलेट्स को शामिल किया जा रहा है।

12. **निष्कर्ष–** वर्तमान वर्ष 2023 को श्री अन्न (मोटे अनाज) का वर्ष घोषित किया गया है। ऐसे में यह समय देश के किसानों, कृषि वैज्ञानिक के लिए चुनौती के साथ–साथ एक अवसर है। हमें अन्न के उत्पादन के साथ–साथ मोटे अनाज के उत्पादन, उपभोग और निर्यात में अव्वल बनना होगा। इस दिशा में हमें संयुक्त रूप से काम करना होगा।

References

1. Gowri, UM and Shivakumar, K M (2020) Millet scenario in India. *EconomicAffairs* 65(3),360-370.DOI:https://doi,org/10.46852/0424-2513.3.2020.7.
2. Kane-Potaka,J , Anitha, S, Tsusaka, T W, Botha, R, .Budumuru, M and Upadhyay, S(2021) Assessing Millets and Sorghum Consumption Behavior in Urban India: A Large-Scale Survey', Frontiers in Sustainable Food Systems, Volume 5, August 2021. https://doi.org/10.3389/fsufs.2021.680777.
3. ASSOCHAM (2022)MILLETS: The Future Super Food for India.' https://www.assocham.org/uploads/files/Report_Millets%202022%20(Print%20Version)%20(1).